International Journal of Home Science 2020; 6(2): 437-438

ISSN: 2395-7476
IJHS 2020; 6(2): 437-438
© 2020 IJHS
www.homesciencejournal.com
Received: 28-04-2020
Accepted: 11-06-2020

उपमा सिंह
शोध छात्रा गृह विज्ञान, रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, भारत

नीलमा कुँवर
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष,ईसीएम, गृह विज्ञान महाविद्यालय, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, भारत

Corresponding Author:
उपमा सिंह
शोध छात्रा गृह विज्ञान, रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, भारत

किशोरावस्था की समस्यायें और उनका समायोजन एक महत्वपूर्ण कारक हैं

उपमा सिंह और नीलमा कुँवर

सारांश
'किशोरावस्था' वह अवस्था हैं जिसमें व्यक्ति जो कुछ भी ठान लेता हैं, उसे पूरा करके दिखाता हैं। उसमें अदम्य साहस, ऊर्जा, उमंग एवं उत्साह होता हैं। व्यक्ति के भविष्य का निर्धारण भी किशोरावस्था के अन्त तक तय हो जाता हैं, कि आगे चलकर बालक क्या करेगा। मानव जीवन में किशोरावस्था सर्वाधिक विचलन वाली अवस्था हैं। यह अवस्था 'आँधी और तूफानों' वाली अवस्था हैं। इस अवस्था में बालक कभी तो आशाओं व सफलताओं के आसमान में सैर करता हैं तो कभी वह निराशाओं की गहरी खाई में समा जाता हैं। क्षण में किशोर विजयी यौद्धा बनकर विश्व विजयी तिरंगा, हिमालय की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट पर लहराता नज़र आता हैं तो दूसरे ही क्षण निराशाओं के घोर गर्त में गिरा हुआ अपने आपको निःसहाय पड़ा पाता हैं। अतः यह अवस्था 'आँधी और तूफानों' की, ''भावनात्मक अस्थिरता की'', ''तनाव व दबाब'' की अवस्था होती हैं।

मुख्य शब्द – समस्यायें, समायोजन

प्रस्तावना
किशोरावस्था समस्याओं का घर हैं। इस अवस्था में समस्याएं ही समस्याएं हैं। किशोर न केवल अपने माता–पिता, अपने संरक्षको, शिक्षकों एवं समाज के लोगों के लिए समस्या हैं, वरन् वे स्वंय में भी एक बड़ी समस्या हैं। इनकी समस्याएँ अध्ययन, स्वास्थ्य, मनोरंजन, व्यवसाय का चुनाव, नौकरी, विपरीत लिंगों के प्रति आकर्षण, प्रेम विवाह की प्रबल इच्छा आदि किसी भी चीज से संबधित हो सकती हैं। इसीलिए किशोरावस्था को 'समस्याओं की उम्र ;।हम व्िचत्वइसमउेद्ध भी कहा जाता हैं।' किशोर के लिए तो सबसे बड़ी समस्या यह है कि न तो उसे बालक की दृष्टि से देखा जाता हैं और न ही वयस्क की दृष्टि से। न तो उसकी गलतियों को नजर अंदाज किया जाता हैं और न ही वयस्कों की भांति उसे मान–सम्मान, इज्जत व प्यार दिया जाता हैं। यह स्थिति किशोर के लिए अत्यंत दुखदायी होती हैं। फलतः उसमें चिन्ता, उत्पन्न हो जाती हैं।

उद्देश्य
- किशोरों की शालेय उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन करना।
- शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में किशोरों के शालेय उपलब्धि अभिप्रेरणा में अन्तर ज्ञात करना।

अध्ययन पद्धति
इस अध्ययन के लिए फैजाबाद जिले का चयन किया गया है तथा दो शासकीय और पाँच अशासकीय स्कूल का चयन किया गया है। 200 शासकीय स्कूल के छात्र/छात्रायें तथा 200 अशासकीय स्कूल की छात्र/छात्राओं का चयन किया है। इसप्रकार कुल 400 छात्र/छात्राओं का चयन अध्ययन हेतु किया गया है। शैक्षिक उपलब्धि मापनी तथा समायोजन मापनी जैसे स्केल लगाये गए हैं तथा साख्यिकीय उपकरण माध्य, मानक विचलनश एनोवा तथा बाई वैरियट परीक्षा का इस्तेमाल किया गया है।

परिणाम

सारिणी–1 शासकीय विद्यालय छात्र के किशोर शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा पर समायोजन (कुल समायोजन) के प्रभाव का अध्ययन

समायोजन की श्रेणी	संख्या	माध्य	मानक विचलन
अति निम्न	5	364.60	81.724
निम्न	11	338.45	51.667
मध्यम	26	349.96	43.149
उच्च	70	354.73	55.903
अति उच्च	88	366.89	49.726

प्रसरण विश्लेषण तालिका

चर	प्रसरण विश्लेषण	वर्गो का भाग	स्वातंत्रय कोटी	माध्य वर्ग योग	''एफ'' का मान	सार्थकता स्तर
शैक्षिक उपलब्धि	न्यादर्शो के 'अन्तर्गत' प्रसरण	13667.18	4	3416.80	1.255	>0.05
	न्यादर्शो के 'मध्य' प्रसरण	530719.60	195	2721.64		

स्वत्रंत कोटि का मान –4,95

0.01 पर श्फश का मानत्र 3.32

0.05 पर श्फश का मानत्र 2.37

शासकीय विद्यालय छात्र के शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन का प्रभाव नही पाया गया। अतः निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि शासकीय विद्यालय के छात्र के शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन का प्रभाव नही पड़ता हैं।

सारिणी–2 शासकीयएवं अशासकीय विद्यालय किशोर की छात्र–छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा पर समायोजन (स्व–समायोजन) के प्रभाव का अध्ययन

समायोजन की श्रेणी	संख्या	माध्य	मानक विचलन
अति निम्न	18	349.61	53.457
निम्न	64	357.70	58.055
मध्यम	122	356.03	45.772
उच्च	144	364.19	51.643
अति उच्च	52	359.42	46.208

प्रसरण विश्लेषण तालिका

चर	प्रसरण विश्लेषण	वर्गो का भाग	स्वातंत्रय कोटी	माध्य वर्ग योग	''एफ'' का मान	सार्थकता स्तर
शैक्षिक उपलब्धि	न्यादर्शो के 'अन्तर्गत' प्रसरण	6602.41	4	1650.60	0.649	>0.05*
	न्यादर्शो के 'मध्य' प्रसरण	1004689.00	194	2543.52		

स्वत्रंत कोटि का मान –4,194

0.01 पर 'Q' का मान = 3.32

0.05 पर 'Q' का मान = 2.37

स्कूल समायोजन एक प्रक्रिया है जो स्कूल के वातावरण को अपनाने के लिए प्रेरित करती है इसलिए स्कूल समायोजन बच्चे के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह एक स्तम्भ की तरह होता है जिस पर बच्चे का पूरा जीवन आधारित होता है। यह न केवल बच्चे की प्रगति और उपलब्धि से सम्बन्धित है बल्कि स्कूल, चिंताओं, अकेलेपन, सामाजिक समर्थन और शैक्षणिक प्रेरणा के प्रति उनका दृष्टिकोंण भी है। पारस्परिक सम्बन्ध बच्चों की शैक्षिक प्रेरणा को प्रभावित करता है।

सारिणी–3 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय की किशोर छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा पर समायोजन (कुल समायोजन) के प्रभाव का अध्ययन

विद्यालय	लिंग	समायोजन की श्रेणी	संख्या	माध्य	मानक विचलन
शासकीय	छात्र	अति निम्न	5	367.80	54.495
		निम्न	21	359.33	61.229
		मध्यम	15	368.80	34.013
		उच्च	36	364.86	38.777
		अति उच्च	23	370.30	58.856
	छात्रायें	अति निम्न	6	325.83	60.307
		निम्न	12	358.42	72.908
		मध्यम	25	351.44	58.353
		उच्च	38	365.18	57.985
		अति उच्च	19	363.21	53.930
अशासकीय	छात्र	अति निम्न	5	330.00	31.265
		निम्न	9	333.44	43.477
		मध्यम	30	347.53	49.349
		उच्च	40	361.78	45.773
		अति उच्च	16	367.31	53.073
	छात्रायें	अति निम्न	14	345.36	43.940
		निम्न	14	348.29	38.774
		मध्यम	31	373.61	51.666
		उच्च	33	364.39	40.522
		अति उच्च	8	328.00	19.596

प्रसरण विश्लेषण तालिका

चर	प्रसरण विश्लेषण	वर्गो का भाग	स्वातंत्रय कोटी	माध्य वर्ग योग	''एफ'' का मान	सार्थकता स्तर
शैक्षिक उपलब्धि	न्यादर्शो के 'अन्तर्गत प्रसरण	50689.93	19	2667.89	1.055	>0.05
	न्यादर्शो के 'मध्य' प्रसरण	33185565.50	1	33185565.50		

स्वत्रंत कोटि का मान – 19,1

0.01 पर 'Q' का मान = 6209

0.05 पर 'Q' का मान = 248

नकारात्मक सहकर्मी समूह छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि को खराब करता है और वह स्कूल की क्रियाओं में भाग न लेकर गलत कार्यों की तरफ प्रेरित हो जाते हैं। सहकर्मी समूह छात्रों के जीवन के एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वह समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हैं जो स्कूल के माहौल, स्कूल का वातावरण और घर की संस्तुति को बनाने में मदद करते हैं। सहकर्मी समूह एक सनकी और चलन नहीं है इसलिए शिक्षक, विद्यालय प्रबन्धन और माता–पिता को चाहिए कि वह उन पर निगरानी रखे।

निष्कर्ष

जिन्दगी समायोजन के लिए संघर्ष प्रस्तुत करती है। समायोजन व्यक्ति को तनाव से निपटने और जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रयास करता है। जिससे वह वातावरण को सौहार्दपूर्ण बनाये रखे जिसमें वह हर समय रहते हैं। एक अच्छा समायोजन वह है जो यर्थातवादी और संतोषजनक दोनों हो। यदि उन्हें समायोजन की कोई समस्या है तो उनके लिए सलाह और परामर्श सहायता करती है। छात्रों को अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करने का अवसर दिया जाना चाहिए। जरूरी है कि स्कूल अधिकारियों और शिक्षकों के साथ उनकी समस्याओं की चर्चा करनें। यह उनमें आत्मविश्वास और मानसिकता विकसित करता है तथा छात्र संतुष्टि की अनुभूति महसूस करते हैं। छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक स्वास्थ्य पर उनके माता–पिता को ध्यान देना चाहिए जिससे वह स्कूल में अच्छा प्रदर्शन कर सके।

सुझाव

1. माता–पिता को चाहिए कि बालक से मित्रता पूर्ण व्यवहार करें। बालक को परिवार में अपनी बात को कहने का पूर्ण अवसर देना चाहिए उसने किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर उचित तरीके से सुधार करें। अतः परिवार में प्रजातंत्रात्मक वातावरण होना चाहिए। समय–समय पर त्मपदवितबमउमदज तथा प्रेरणा बालक को देते रहना चाहिए।
2. अभिभावकों को चाहिए कि वह विद्यालय और शिक्षक से समय–समय पर सम्पर्क करे ताकि छात्र–छात्राओं कि शैक्षिक वृद्धि दर का पता चल सके। जिससे की शैक्षिक उपलब्धि को उत्तम करने में सहायता मिलती रहे।

संदर्भ

1. जॉयसी ए.वी., वर्गीज[सोनिया. "सतत और व्यापक मूल्यांकन के माध्यम से माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि प्रेरणा और प्रदर्शन का आकलन". उत्तर प्रदेश विधानमंडल द्वारा पारित पंचायती राज संस्थान, प्रौद्योगिकी और विज्ञान (SHUATS), thesis, 2017, पृष्ठ 158.
2. पाठक पी.डी. Forty Second Edition शिक्षा मनोविज्ञान, प्रकाशकः अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा, 2012, पृ.सं. 42
3. माहेश्वरी के.के, अरुणा एम. किशोर स्कूल के छात्रों के बीच लिंग अंतर और उपलब्धि प्रेरणा, अनुप्रयुक्त विज्ञान. 2016; 2 (1)केजर्नल:149-152.